'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 2nd Semester Examination, 2022

CC4-HINDI

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) भारतेन्दु द्वारा संपादित तीन पत्रिकाओं के नाम लिखिए।

(ख) मुक्त छंद का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) मैथिलीशरण गुप्त के तीन प्रमुख काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए।

(घ) 'यह मंदिर का दीप' कविता का मूल भाव लिखिए।

(ङ) निराला के तीन काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(च) 'पेशोला की प्रतिध्वनि में कैसी प्रतिध्वनि सुनाई पड़ रही है ? स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (चार) – 6×4 = 24

(क) स्वयं सुसज्जित करके क्षण में,
प्रियतम को, प्राणों के पण में,
हमीं भेज देती हैं रण में –
क्षात्र-धर्म के नाते
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

(ख) लौटा लो यह अपनी थाती
मेरी करूणा हा-हा खाती
विश्व! न सँभलेगी यह मुझसे
इसने मन की लाज गँवाई

(ग) मुकुट शुभ्र हिम-तुषार
प्राण प्रणव ओंकार
ध्वनित दिशाएँ उदार
शतमुख-शतरव-मुखरे।

(घ) नीले नभ के शतदल पर
वह बैठी शारद-हासिनि
मृदु-करतल पर शशि-मुख धर,
नीरव, अनिमिष, एकाकिनि !

(ङ) जब था कल कंठों का मेला,
विहंसे उपल तिमिर था खेला,
अब मंदिर में इष्ट अकेला,
इसे अजिर का शून्य गलाने को गलने दो!

(च) हुआ प्रभात छिप गए तारे,
संध्या हुई भानु भी हारे,
यह उत्थान पतन है व्यापक प्रति कण-कण में रे।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) ''यशोधरा करूण रस का काव्य है''– इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

(ख) छायावादी कवि के रूप में जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) निराला की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(घ) महादेवी वर्मा की काव्य-कला पर विचार कीजिए।

——×——